सिंहासन के शब्द

कार्ल एच स्टीवेंस जूनियर

स्वर्गीय कार्ल एच स्टीवेंस जूनियर सन २००५ तक ग्रेटर ग्रेस वर्ल्ड आउटरीच बाल्टीमोर, मैरीलैंड के संस्थापक पास्टर थे| उन्होंने चार दशकों में फैली अपनी सेवकाई के दौरान अमेरिका और विभिन्न देशों में सम्पन्न सेवकाईयों की स्थापना में खास भूमिका निभाई। सन २००८ में पास्टर स्टीवेन्स की मृत्यु हुई| अपनी आम सेवकाई के दौरान उन्होंने बाल्टीमोर में मैरीलैंड बाइबिल कॉलेज एण्ड सेमिनरी की स्थापना और "द ग्रेस ऑवर" का विकास किया, जो एक एंजेल पुरस्कार अर्जित रेडियो टॉक शो है और आज भी उत्तरी अमेरिका में विभिन्न मसीही स्टेशनों और इंटरनेट के माध्यम से सुना जाता है।

यह पुस्तिका पास्टर स्टीवेंस द्वारा प्रचार किये गए एक संदेश से बनाई गई है।

जब तक अन्यथा न विस्तृत किया जाए, सभी कथन पवित्र शास्त्र बाइबल से हैं। जोर देने के लिए इटैलिक्स हमारी ओर से हैं।

GRACE PUBLICATIONS
6025 MORAVIA PARK DRIVE
BALTIMORE, MD 21206
कॉपीराइट © 1996

ग्रेस पब्लिकेशन ग्रेटर ग्रेस वर्ल्ड आउटरीच की एक सेवकाई है।

www.ggwo.org

हिन्दी अनुवादों का प्रकाशन
ग्रेटर ग्रेस नवी मुम्बई चर्च
www.vashichurch.com

सामग्री की तालिका

भूमिका. *५*

अध्याय १. . . . . *७*

शब्द सही स्थापित और सही निर्देशित

अध्याय २. . . . . *१३*

ऊपर से आए शब्द

अध्याय ३. . . . . *२३*

गम्भीर शब्द

निष्कर्ष. २७

रविवार की प्रार्थना सभा स्थल :

अथवा निम्नलिखित पते पर सम्पर्क करें :

ग्रेटर ग्रेस नवी मुम्बई चर्च
ग्राउन्ड फ्लोर, मेघालय हाउस,
सेक्टर – ३०ए, वाशी स्टेशन के
सामने, वाशी, नवी मुम्बई

कीमत – २५ रुपए

भूमिका

"उस ने उत्तर दिया; कि लिखा है कि मनुष्य केवल रोटी ही से नहीं, परन्तु हर एक वचन से जो परमेश्वर के मुख से निकलता है, जीवित रहेगा।" (मत्ती ४:४)

हम एक ऐसे समय में जी रहे हैं, जब संचार की तकनीक ने लाखों शब्दों – तथ्यों, विचारों, खबरों, गलत सूचनाओं, को क्षणों में पाना सम्भव कर दिया है। शब्दों में शक्ति होती है, और स्रोत के अनुसार, वह शक्ति अत्यधिक उपयोगी अथवा अत्यधिक हानिकारक हो सकती है|

इस सन्देश का विषय सम्पूर्ण बाइबल की सबसे शक्तिशाली वस्तु है – सिंहासन के शब्द।

अध्याय एक

शब्द सही स्थापित और सही निर्देशित

"और वह बड़ा अजगर अर्थात् वही पुराना सांप, जो इब्लीस और शैतान कहलाता है, और सारे संसार का भरमानेवाला है, पृथ्वी पर गिरा दिया गया; और उसके दूत उसके साथ गिरा दिए गए।

"फिर मैंने स्वर्ग पर से यह बड़ा शब्द आते हुए सुना, कि अब हमारे परमेश्वर का उद्धार, और सामर्थ्य, और राज्य, और उसके मसीह का अधिकार प्रगट हुआ है; क्योंकि हमारे भाईयों पर दोष लगानेवाला, जो रात दिन हमारे परमेश्वर के सामने उन पर दोष लगाया करता था, गिरा दिया गया।

"और वे मेमने के लोहू के कारण, और अपनी गवाही के वचन के कारण, उस पर जयवन्त हुए, और उन्होंने अपने प्राणों को प्रिय न जाना, यहां तक कि मृत्यु भी सह ली।

"इस कारण, हे स्वर्गों, और उन में के रहने वालों मगन हो; हे पृथ्वी, और समुद्र, तुम पर हाय! क्योंकि शैतान बड़े क्रोध के साथ तुम्हारे पास उतर आया है; क्योंकि जानता है, कि उसका थोड़ा ही समय और बाकी है।" (प्रकाशितवाक्य १२:९-१२)

"......वह बड़ा अजगर नीचे गिरा दिया गया| अर्थात वही पुराना साँप जो इब्लीस कहलाता है......" (प्रकाशितवाक्य १२:९अ)| परमेश्वर ने शैतान को पुराना कहा, और उसने उसे सर्प कहा| परमेश्वर शैतान और उसके झुन्ड को नाम धरने से नहीं चूकता| जब परमेश्वर के लोग शैतान से जरा कड़क हो जाते हैं, तब बहुत सारे लोग झटका खा जाते हैं| वे उन कुछ शब्दों से डर जाते हैं जो बाइबल साफ़ साफ़ कहती है, जैसे इब्रानियों १२:८ और मत्ती २३ में| लेकिन परमेश्वर नहीं घबराता| उसके पास ऐसे शब्द हैं, जो हालात के लिए उपयुक्त हैं| वह उन्हें उचित शब्द कहता है, जब तक कि वे सच्चे, उपयुक्त, और सही दिशा की ओर होते हैं| और ऐसा ही था|

"इस कारण मगन हो ...." इस प्रसंग में *इस कारण* बहुत खूबसूरत शब्द है|

मै तुम्हे जो सबसे व्यावहारिक और जरूरी संदेश सुना सकता हूँ, यह उनमें से एक है| यह परमेश्वर का संदेश है| इस विषय में कई खास बातें हैं, जो बहुत जरुरी हैं| पहली बात यह है: शैतान सारे संसार को धोखा देता है| इस धरती और समुद्र में रहने वाले लोगों को वह धोखा दे रहा है| लेकिन वह उन लोगों को धोखा नहीं दे रहा है, जो सिंहासन के शब्दों को जानते है और स्वर्ग से आ रहा जीवन ग्रहण करते हैं|

नीचे जीवित या ऊपर बैठे?

दो प्रकार के मसीही होते हैं| मसीहियों की वह श्रेणी है जो वाकई में धरती पर बसते हैं| (हाय हो उन पर!) फिर वे हैं, जो

ऊँचाइयों पर बैठे हैं और उद्धार और अपने परमेश्वर के राज्य और मसीह की ताकत के द्वारा शक्तिशाली हैं| वे शैतान पर विजय पाते हैं, पहले मेमने के लहू के द्वारा; दूसरा, अपनी साक्षी के वचन के द्वारा; और तीसरा, क्योंकि वे अपने प्राणों से मृत्यु तक प्रेम नहीं करते|

पवित्र शास्त्र सिखाता है कि हजारों लोग जो इस धरती पर जीवित हैं और निवास करते हुए छल और स्वयं तथा दूसरों की ओर इल्जामो की वजह से हराए जा रहे हैं| क्योंकि कई लोग अपने जीवन से प्रेम करते हैं, वे अपनी पहचान और विरासत बचाकर रखना चाहते हैं| वे स्पर्धा और तुलना करते हैं, और वे देह की लालसाओं में संतुष्ट रहना पसंद करते हैं| वे अपनी खुद से की गई आज़ादी की परिभाषा और घोषणा के अनुसार परमेश्वर के साथ चलने के अधिकारों पर वाद-विवाद करते हुए एक स्वावलंबी चाल-चलन के द्वारा अधिकारियों का विरोध करते हैं| और वे हराए जा रहे हैं|

लोग उस शैतान पर कैसे विजय प्राप्त करते हैं, जो सारे संसार को धोखा देता हुआ और भाईयों पर इल्जाम लगाता हुआ जाता है? क्या इस सप्ताह आपकी ऐसे किसी व्यक्ति से मुलाकात हुई जो भाईयों पर इल्जाम लगा रहा था? उन्होंने स्वयं पर दोष नहीं लगाया, पर भाइयों पर दोष लगाते हैं| सुबह से शाम तक शैतान ऐसे लोगों की तलाश करता है, जिन्हें वह यीशु मसीह के खिलाफ अपने कार्यों में शामिल करके इस्तेमाल कर सके| सारे धोखे, सारे इल्जामों और इस पृथ्वी पर निवास कर रहे नर्क के

सारे दुष्टात्माओं के साथ, शैतान के पास उसका राज्य है (मत्ती १२:२४)| उसे "हवा की शक्ति का राजकुमार" (इफिसियों २:२) और "इस संसार का ईश्वर" (२ कुरिन्थियों ४:४) कहा गया है|

फिर भी इन सबके बीच *इस वक़्त* इस धरती पर लोग रहते हैं, जिनके पास स्थायी उद्धार और लगातार सामर्थ्य है| वे निरंतर परमेश्वर के राज्य में हैं और उनके पास मसीह की शक्ति है| वे *हमेशा* शैतान पर विजय पाते हैं| वे शैतान से लड़ते नहीं हैं|| वे उस पर विजय पाते हैं| वे शैतान से युद्ध नहीं कर रहे हैं|| वे उस पर विजय प्राप्त करते हैं! और वे मेमने के लहू के द्वारा विजय प्राप्त करते हैं - और उतना ही नहीं, पर मेमने के लहू के विषय में अपनी गवाही (परमेश्वर की गवाही नहीं, पर उनकी खुद की) के वचन से भी|

लहू से शुद्ध हुए, वचन से धोए गए

लहू विश्वास के द्वारा, वचन के पानी की धुलाई से, उनके दिल और दिमाग में लगाया गया है| वे अपनी स्वेच्छा के अनुसार अपने दिमाग और भावनाओं के द्वारा अपने मुँह से अंगीकार करते हैं| इस खास समूह को नहीं हराया जा सकता| १ योहन्ना ५:१८ब उन्हें अछूता पुकारता हैं; वह दुष्ट उन्हें छू नहीं सकता क्योंकि उनके पास कुछ अनोखी चीज है|

लेकिन यह न ही बेहतर होने की क्षमता और न अच्छे कर्मो की एक प्रणाली है| उनके आदम के स्वभाव में संसार के किसी और व्यक्ति से ज्यादा शक्ति नहीं हैं| उनके पास एक अंगीकार है| वह अंगीकार सिंहासन के शब्द हैं| मेंमने का लहू

पर्याप्त है| परमेश्वर का उद्धार पर्याप्त है| परमेश्वर के राज्य ने शैतान पर विजय पा ली है, और लूका १७:२१ में वह राज्य उनके अंदर बस रहा है| और इसके अलावा इस वक्त उनमे सामर्थ्य है, और वे हमारे मसीह की शक्ति में जीते हैं|

शक्तिशाली शब्द

मेरे साथ इस बारे में विचार करो - शब्दों में शक्ति| कुछ लोग शब्दों में शक्ति का एहसास नहीं कर पाते हैं| यदि शब्द न होते, तो हम अपनी शिक्षा पाठ्यक्रम में एक भी चीज कैसे सीख पाते? शब्द बहुत महत्वपूर्ण होते हैं| और सिंहासन के शब्द कितने अदभुत हैं! प्रभु यीशु मसीह द्वारा स्वयं को शब्दों के द्वारा प्रदर्शित करना – इस बारे में सोचो! योहन्ना १:१२अ में वह क्या कहता है? "परन्तु जितनों ने उसे ग्रहण किया, उसने उन्हें परमेश्वर के सन्तान होने का अधिकार दे दिया|" सिंहासन के शब्द| "मैं उन्हें अनन्त जीवन देता हूँ,..... और कोई उन्हें मेरे हाथ से छीन न लेगा" (योहन्ना १०:२८)| सिंहासन के शब्द| "चाहे वह गिरे तो भी पड़ा न रह जाएगा, क्योंकि यहोवा उसका हाथ थामे रहता है" (भजन संहिता ३७:२४अ)| सिंहासन के शब्द| उस परमेश्वर के वादे जो झूठ नहीं बोल सकता (तीतुस १:२)| वह तुम्हे कभी नहीं, नहीं कभी नहीं, नहीं *कभी नहीं* छोड़ेगा और न ही कभी त्यागेगा (इब्रानियों १३:५)| सिंहासन के शब्द|

"मैं तुमसे प्रेम करता हूँ, इसराएल, एक सनातन प्रेम से, और करुणा से मैं तुम्हे अपनी ओर खींचूँगा|" यिर्मयाह ३१:३ में सिंहासन के शब्द| “मैं तुम्हे अपनी धार्मिकता के दाहिने हाथ से

उठाऊंगा" (यशायाह ४१:१०)| सिंहासन के शब्द| "यदि तुम पाप करोगे, मैं तुम्हारा वकील बनूँगा| तुम्हारे पास आने के लिये एक करुणा की वेदी है और मैं तुम्हारे पाप तुम पर नहीं लगाऊँगा!" (१ योहन्ना २:२, रोमियों ४:७-८)| सिंहासन के शब्द| शब्द - सिर्फ उतना ही - लेकिन *सिंहासन* के शब्द|

"जो कोई जीवता है और मुझ पर विश्वास करता है, वह अनन्तकाल तक न मरेगा| क्या तू इस बात पर विश्वास करती है?" (योहन्ना ११:२५)| सिंहासन के शब्द| सिंहासन से आये शब्द| "मैं तुम्हे अपनी भुजाओं में उठाऊंगा" (व्यवस्था विवरण ३३:२७)| सिंहासन के शब्द| "मैंने तुम्हे साथ में स्वर्गीय स्थानों पर बैठाया हैं" (इफिसियों २:६)| तुम मसीह में सम्पूर्ण हो (कुलुस्सियों २:१०)| सिंहासन के शब्द| "मैं सारी चीजों को अपने वचन की शक्ति से इकठ्ठा करता हूँ" (कुलुस्सियों १:१७; इब्रानियों १:३) - सिंहासन के शब्द|

अध्याय दो

ऊपर से आए शब्द

सिंहासन के शब्द| सिंहासन से आये हुए शब्द| इस धरती से बहुत ऊपर, पापी स्वभाव से बहुत ऊपर! दुष्टात्माओं से बहुत ऊपर, झूठों से बहुत ऊपर! शैतान की हमारी हत्या करने की कोशिश से बहुत ऊपर (योहन्ना ८:४४)| उसके इल्जामों से बहुत ऊपर! शैतान के उपदेशों से बहुत ऊपर (१ तीमुथियुस ४:१)| सिंहासन के शब्द| माँगो और वह तुम्हे दिया जाएगा; और यदि तुम रोटी माँगोगे तो परमेश्वर तुम्हे पत्थर नहीं देगा (लूका ११:९-११)| सिंहासन के शब्द| एक वादा जो झूठा नहीं हो सकता!

इफिसियों ५:१८ में पवित्र आत्मा से परिपूर्ण रहो| यदि तुम *हमेशा* यीशु मसीह द्वारा परमेश्वर को धन्यवाद देते हुए, एक दूसरे की ओर प्रभु के भय में समर्पित होकर, आपस में भजनों और स्त्रोतों और आत्मिक गीतों में बातें करते हो, अपने ह्रदय में प्रभु के लिये संगीत बनाते हो, *तब* तुम मेरी महिमा करोगे, मेरे साथ चलोगे और अनुभव में सुरक्षित रहोगे| सिंहासन के शब्द| यीशु मसीह कभी निराश नहीं हुआ (यशायाह ४२:४)| वह कभी घबराया नहीं| वह सिंहासन के शब्द समझता था|

जब तुम सिंहासन के शब्द सुनते हो, तुम्हारे लिये उनका क्या मतलब है? शब्द जो कभी व्यर्थ नहीं हो सकते| इब्रानियों ६:१८ में, वे शब्द जो कहते हैं कि परमेश्वर के लिए झूठ बोलना असम्भव है, और मैं जो शब्द बोलूँगा वह पूरे होंगे (यहेजकेल १२:२५)| परमेश्वर के सभी वायदे हाँ हैं, और कोई भी ना नहीं हैं (२ कुरिन्थियों १:१९-२०)| वे सबके सब हाँ हैं! क्या तुम इसे समझते हो? वे सब के सब हाँ हैं; उनमे से कोई भी ना नहीं|

सिंहासन के शब्द - जिनमें परमेश्वर कहता हैं कि वह तुम्हे कभी नहीं छोड़ेगा| वह तुम्हारे पापों को भूल जाता हैं (इब्रानियों ८:१२), तुम्हारे अपराध के पार जाता है, और उन्हे समुद्र की गहराइयों में दफना देता हैं (मीका ७:१८-१९), उन्हें इतना दूर करता हैं जितना पूरब पश्चिम से हैं (भजन संहिता १०३:१२)| परमेश्वर यह सब कुछ कहता है, और इब्रानियों के १०:१७ में दुबारा कहता है, “*नहीं!* अब मैं उन्हें कभी याद नहीं करूँगा”| उसने हमारे *सारे* पाप अपनी पीठ के पीछे फेंक दिए (यशायाह ३८:१७) – वे शब्द सिंहासन से आए हैं!

हस्ताक्षर किए, मुहर लगाए और पहुँचाए गए

क्या तुम देख रहे हो? हम अनुग्रह से बचाए गए हैं, न कि कर्मों से (इफिसियों २:१८)| हम पवित्र आत्मा से छुटकारे के दिन के लिए मुहर लगाये गए हैं (इफिसियों ४:३० और रोमियों ८:२३)| प्रभु ने कहा, "मैं धरती के कोनों तक और संसार के अन्त पर्यन्त तुम्हारे साथ जाऊँगा" (मत्ती २८:२०)| सिंहासन के

शब्द| अनुग्रह से उद्धार पाए| परमेश्वर की शक्ति से सम्भाले गए (१ पतरस १:५)| सनातन लहू से शुद्ध किए गए (१ योहन्ना १:७)| सिंहासन के शब्द, एक के बाद एक, प्रोत्साहन, भरोसा, सांत्वना, सामर्थ्य, शक्ति, जीवन, आशावाद, यथार्थ, सच्चाई देते हुए, मुझे एक ऐसा इन्सान बनाने के लिये जो *शब्दों* के द्वारा सिंहासन के पीछे जाता है|

शैतान - सभी झूठों का पिता, शुरुआत से ही एक हत्यारा, भाईयों पर दोष लगाने वाला – तुम्हें वह जो कर रहा है उसमें तल्लीन करने की कोशिश करता है, बजाय सिंहासन के शब्दों में जो परमेश्वर के तुम्हारी ओर विचार हैं, जो तुमने जो कुछ भी किया है उससे प्रभावित नहीं हैं| लूका १९:१३ हमें सिखाता है कि हम मसीह के लौटने तक उसमें तल्लीन रहें| यदि हम ऐसे रहते हैं, तो शैतान को जगह नहीं देंगे (इफिसियों ४:२७)| प्रभु यीशु मसीह को पहन लो, और देह की अभिलाषाओं को पूरा करने का उपाय न करो (रोमियों १३:१४)| सिंहासन के शब्द – मुझे, सिंहासन से जो मेरा है, उसका अनुभव करना सिखाते हैं|

प्रत्येक वचन के द्वारा जीना

क्या यह कोई अचरज की बात है कि यीशु मसीह ने मत्ती:४:४ में कहा कि इन्सानों को उस प्रत्येक वचन के द्वारा जीना चाहिए जो परमेश्वर के मुँह से निकलता है? नीतिवचन ३०:५ में, वह कहता हैं कि परमेश्वर का प्रत्येक वचन शुद्ध है| क्या यह कोई अचरज की बात है कि प्रभु भजन संहिता ११९:११ में हमें वचन को अपने हृदय में छिपाने के लिए बताता है

जिससे हम पाप न करें? क्या तुम देख सकते हो क्यों उसने कुलुस्सियों ३:१६ में कहा कि “मसीह के वचन को स्वयं में बहुतायत से निवास करने दो”? क्या यह अचरज की बात है कि भजन के लेखक ने भजनसंहिता १३८:२ में कहा "तूने अपने वचन को अपने नाम से भी उपर उठाया है"? क्या यह आश्चर्य की बात हैं कि अय्यूब ने कहा, "मैने उसके मुँह के वचनों को अपने जरूरी भोजन से ज्यादा इज्जत दी है" (अय्यूब २३:१२)? यह कुछ लोग जो कह सकते हैं उससे बढकर है| वे अपने सोने की जगह को इस पुलपिट से उन्हे दी गई शिक्षा से बढ़कर अहमियत देते हैं, क्योंकि उन्हे अब तक सिंहासन के शब्दों से प्रेम नहीं हुआ है|

मैं आज की शाम रोमांचित हूँ क्योंकि परमेश्वर यहाँ और दूसरे अच्छे कलीसियों में लोगों को सिंहासन के शब्द प्रगट करने वाली जीवित पत्रियाँ बनने की शिक्षा दे रहा है (२ कुरिन्थियों ३:२)| क्या तुम यह कल्पना कर सकते हो? एक इन्सान जो परमेश्वर के साथ चलता हैं क्योंकि उसका हृदय परमेश्वर के हृदय के साथ एक है – वह व्यक्ति पवित्र आत्मा से परिपूर्ण है, और उसका दिमाग स्वर्ग का रिकॉर्डर है, उसे यह क्षमता देते हुए कि वह किसी हालात के विषय में परमेश्वर जो सोचता है उसे बिलकुल हूबहू दुहराता है क्योंकि वह उसके वचन में बना हुआ है|

क्या तुमने सिंहासन के शब्द जानने वाले व्यक्ति को मानसिक तौर पर बीमार होते देखा है? क्या तुमने एक औरत

जिसका मन ऊपर लगा हो (कुलुस्सियों ३:२) उसकी भावनाओं को खराब होते देखा है? वे भावनाएँ जो शुद्ध हैं, वे धरती पर उसके शापों – पापी स्वभाव, झूठ, धोखा, जलन, ईर्ष्या, घमण्ड, चिंता, निराशा, मायूसी, प्राणशक्ति, आत्मज्ञान - इन सबके साथ नहीं निवास करती हैं| इन सब की बजाय, विश्वासी सिर्फ यह कहता है, "एक अत्यधिक व्यवहारिक और व्यक्तिगत रूप से मैं स्वर्गीय स्थानों में बैठा हुआ हूँ, मेरी भावनाएँ ऊपर हैं और मेरा नीचे का जीवन यीशु मसीह में मैं क्या जानता हूँ और कौन हूँ सिर्फ यह प्रदर्शित करने के लिए है| मैं सिंहासन के शब्दों का अंगीकार करूँगा|"

शक्तिशाली अंगीकार

"अरे, इब्राहीम" उत्पति १३:९,-१० में परमेश्वर ने कहा, "लूत के पास चुनने का अधिकार नहीं है, परन्तु तुम्हारे पास है| तुम्हें क्या चाहिए?" इब्राहीम अब एक साक्षी देने के लिए तैयार था| "वे मेमने के लोहू के कारण, और अपनी गवाही के वचन के कारण, उस पर जयवन्त हुए" और इब्राहीम ने अपने मुँह से गवाही बनाई : "लूत तुम्हें कौन सा हिस्सा चाहिए?" अपने चाचा इब्राहीम को उत्तर देते हुए लूत ने कहा, " मुझे बेहतर हिस्सा अच्छा लग रहा है!" इब्राहीम ने कहा, "वही ले लो| यह सब तुम्हारा हुआ|"

इब्राहीम ने कैसे शैतान द्वारा लाई आँखों की लालसा पर विजय पाई? सिंहासन शब्दों के द्वारा एक गवाही अंगीकार करके जिससे शैतान के खिलाफ, मसीह में विश्वास पैदा किया|

इब्राहीम ने कहा, “मुझे आँखों की अभिलाषा और जीवन के घमण्ड की तकलीफ नहीं है| लूत, तुम्हें जो भी चाहिए ले लो| मेरे पास परमेश्वर है, और मैं हमेशा यहाँ जीवित रहने वाला नहीं हूँ; लेकिन, जब तक मैं जिन्दा हूँ, मैं सिंहासन के शब्दों की गवाही दूँगा!”

उत्पति के २२:५ में, इब्राहीम इसहाक को समर्पित करने को तैयार था| दो युवक जो उनके साथ मोरय्या गये थे, उन्होंने पूछा, “तुम क्या करने वाले हो?” जिसका उसने जवाब दिया, “मेरा बेटा और मैं बस वहाँ किसी खास चीज के लिये जा रहे हैं|” वह एक मिनट के लिये भी पीछे नहीं हटा| उसने अपने कंधे चौड़े किए और शैतान पर विजय पाई, उस वक्त भी जब उसका मतलब उसके बहुमूल्य पुत्र का समर्पण था| कोई उदासीनता नहीं थी| इब्राहीम ने अपने प्राण को जो वह चाहता था उसमें मशगूल नहीं होने दिया| *वह परमेश्वर की योजना और उस काम में मशगूल था जो यीशु मसीह उसके जीवन में करना चाहता था|* यह महत्वपूर्ण है! इब्राहीम का प्राण जो चाहता था और जिसकी उसे जरूरत थी, उसने उसमें मशगूल होने से इन्कार किया; बल्कि परमेश्वर की उस प्रत्यक्ष योजना में मशगूल रहा जिसमें पवित्र आत्मा उसे मसीह को प्रगट करने वाला था| यह प्राण की जरूरत की बजाय परमेश्वर की मर्जी का मामला था| और उसने सिंहासन के शब्द अंगीकार किए|

उत्पति २२ में एक भी वाक्य नहीं है जिसमें इब्राहीम ने परमेश्वर पर सवाल या शंका की हो| उसने मेमने के लहू के

द्वारा शैतान पर विजय पाई| परमेश्वर के मेमने के लहू की ओर संकेत करते हुए, झाड़ियों में परमेश्वर द्वारा तैयार की गई एक बलि पड़ी हुई थी – जिससे उसे इसहाक की बलि देने की जरूरत नहीं थी| इब्राहीम ने मेमने के लहू और सिंहासन के शब्दों के द्वारा शैतान पर विजय पाई| कोसने की बजाय, उसके मन की बात न पूरी होने की वजह से गंदे और गुस्सैल बर्ताव की बजाय; समझ से बाहर का काम करने की मजबूरी पर प्रतिक्रिया करने की बजाय, इब्राहीम ने खुशी से दिया| परमेश्वर के वादों के बारे में जो उसका विश्वास था उसके समर्थन में उसने सिंहासन के शब्द अंगीकार किए, और उसके अन्दर उसके अंगीकार से मिलान करने वाला आत्मा था| वह सिंहासन की गवाही था|

आकाश से आने वाली भाषा

गिनती १३:३०-३१ में कालेब, यहोशू और बाकी भेदी कनान की हालात का भेद लगाकर वापिस लौटे| दस ने उस देश में भीमकाय मनुष्यों के विषय में नकारात्मक बयान दिया| लेकिन कालेब ने कहा, “वे दानव हमारे लिये साधारण चीज हैं, हम उनके लिये सक्षम से बढ़कर हैं, चलो अन्दर चलकर कनान के अधिकारी बनें!” कालेब क्या कर रहा था? वह सिंहासन के शब्दों की गवाही दे रहा था|

“*हम सक्षम से बढकर हैं|*” सिंहासन के शब्द! आकाश की भाषा, पुराने अच्छे तौर तरीके में, जैसा अभी होना चाहिए - इस वक्त - हर वक्त! कालेब देश में भीमकाय मनुष्यों की उपस्थिति

के परिणाम में निवास नहीं कर रहा था| वह आँखों की लालसा, देह की लालसा या जीवन के घमण्ड से नहीं जी रहा था (१ योहन्ना २:१६)| कालेब विजयन्त से बढ़कर बना हुआ स्वर्गीय स्थानों में जी रहा था –व्यावहारिक, व्यक्तिगत, अनुभवात्मक तौर पर - सिंहासन के शब्द बोलता हुआ| और उसकी साक्षी यह थी – “हम सक्षम से बढ़कर हैं! वे दानव कहाँ हैं?”

वातावरण को ध्वस्त करना

क्या तुम यह समझते हो कि तुम्हारे हृदय में क्या है? उसमें अनन्तकाल में पहुँचने तक प्रत्येक दुष्टात्मा और हर एक नकारात्मक उकसाव को ध्वस्त करने के लिये पर्याप्त शक्ति है| आज अपने अन्दर की ओर देखकर शंका मत करो| खुद के अन्दर झाँक कर सवाल मत करो| यीशु की ओर देखो, परमेश्वर को मदद के लिये धन्यवाद दो, और आगे बढ़ो|

यहोशू १:११ में इस्राएल यरदन नदी के पार जाने वाला था और उनके कप्तान यहोशू के पास एक संदेश था| उसने कहा, “सुनो| तैयार हो जाओ! हमें तीन दिन लगेंगे| अपने इन्तजाम तैयार कर लो - हम बिना तकलीफ उस यरदन के पार जाएँगे!” उसने सिंहासन के शब्दों से एक भविष्यवाणी की|

उसके बाद न्यायियों ५:२ में दबोराह और बाराक हैं| जब वे दुश्मन के खिलाफ गए, दबोराह ने कहा, “सभी लोग परमेश्वर में आनन्दित रहो| उसकी महिमा करो और गाओ!” सिंहासन के हृदय से निकले सिंहासन के शब्द| पुरानी अच्छी दबोराह के

पास छोटी धुन में सोचने का वक्त नहीं था| उसकी बजाय उसने सिंहासन के शब्दों से जीवन का संगीत गाया|

इन्सानी असमंजस का दमन करना

रोमियों ७:१६-२४ मे जब पौलुस उस मानवीय असमंजस से गुजर रहा था, वह जो चीजें करना चाहता था, वह नहीं कर पाता था; जो चीजे वह वाकई करता था, उसे नहीं करनी चाहिए थी; और उसने अपने आपको “अभागा मनुष्य” कहा| वह कैसे उससे बाहर निकला? व्यवस्था का पालन करके? किसी नए सम्प्रदाय में शामिल होकर? जिम्मेदारी से दूर भागकर या भागकर घर जाकर? वह कैसे उससे बाहर निकलेगा? ज्यादा खाना खाकर, ज्यादा धूम्रपान करके, थोड़ी शराब पी कर, लालसा भरी यात्राओं मे जाकर, कोई नया प्रेमप्रसंग करके? नहीं! वह सिंहासन के शब्दों के द्वारा उससे बाहर निकला|

उसने कोई बदलाव का अनुभव नहीं किया था, और उसके पास विजय का कोई सबूत नहीं था, लेकिन पौलुस ने सिंहासन के शब्द अंगीकार किए| “*मैं यीशु मसीह के द्वारा परमेश्वर को धन्यवाद देता हूँ!*” (रोमियों ७:२५)| “*कोई दण्ड की आज्ञा नहीं!*” (रोमियों ८:१)| यदि परमेश्वर मेरी ओर है, तो मेरे खिलाफ कौन हो सकता है (रोमियों ८:३१)? परमेश्वर हमें मुफ्त मे सब चीजे देता है (रोमियों ८:३२)| परमेश्वर किसी को भी मुझ पर न्याय की अनुमति नहीं देगा (रोमियों ८:३४)| ना मृत्यु, ना जीवन, ना स्वर्गदूत, ना प्रधानताएँ, ना शक्तियाँ, ना वर्तमान की चीजें, ना आनेवाली चीजें, ना ऊँचाई, ना गहराई,

ना कोई और जीव परमेश्वर के प्रेम से अलग कर पाएगा, जो मसीह यीशु के द्वारा है (रोमियों ८:३८-३९)|

पौलुस क्या कर रहा था? शैतान को, दुष्टात्माओं को, अपनी देह को, अपने दुश्मनों को, अपनी भावनाओं को सिंहासन के शब्द सुना रहा था| शैतान को सुनना पड़ा| दुष्टात्माओं को सुनना पड़ा| अन्धकार के राज्य को सुनना पड़ा| उसके पापी स्वभाव को सुनना पडा| उसकी भावनाओं को सुनना पड़ा| जो भी चीज उसके खिलाफ खड़ी हुई, वह उसे सिंहासन के शब्दों से अपने पैरों तले रौंद रहा था, और उसे पता था कि वह विजयी था| परमेश्वर का धन्यवाद कि वे तीन इब्रानी बालक - अन्दर जाने के पहले, भट्ठी की गरमी देखने के पहले - उन्होंनें सिंहासन के शब्द अंगीकार किए| "यदि परमेश्वर हमें छुड़ाना चाहता है, तो ठीक; और यदि नहीं, तो भी ठीक" (दानिएल ३:१७-१८)| उन्होंने राजा को डरा दिया! गोलियाथ दाऊद को नही डरा सका, जबकि उसने बाकी सभी को डरा दिया था, क्योंकि वह करुणा के सिंहासन को समझता था (प्रेरितों के काम १३:३४)| वह सिंहासन के शब्द समझता था|

अध्याय तीन

गम्भीर शब्द

उन्होंने मेमने के लहू और अपनी साक्षी के वचन के द्वारा शैतान पर विजय पाई| मुझे उम्मीद है कि तुम इस संदेश को सुनोगे| मैं आशा करता हूँ कि तुम पुनः शैतान को अपने जीवन मे प्रमुखता नहीं पाने दोगे| समलैंगिकता (homosexuality) लोगों को नर्क मे ले जाती है| नारी समलैंगिकता (lesbianism) लोगों को नर्क मे ले जाती है| इस बारे मे कोई गलती मत करो| कोई अनुग्रह एक लेस्बियन को नहीं बचा सकता जब तक वह समलैंगिक होने से पश्चाताप ना कर ले| कोई अनुग्रह एक समलैंगिक को नहीं बचा सकता जब तक वह समलैंगिक होने से पश्चाताप ना कर ले| कोई भी जो कुमारीगमन (fornication) करता है, वह परमेश्वर के राज्य में प्रवेश नहीं कर सकता (गलातियों ५:१९-२०; १ कुरिन्थियों ५:६, प्रकाशितवाक्य २१:८) - यह सब सिंहासन के शब्द हैं|

जो व्यक्ति लगातार कानाफूसी, चुगली और बकवाद (रोमियों १:२९-३०; रोमियों २:१-२) में आदतन सालों तक लगे रहते हैं, वे कभी स्वर्ग में नहीं जा सकते, क्योंकि परमेश्वर उन्हें उनके कर्मों पर छोड़ देता हैं| वे सच्ची तौर पर कभी भी उद्धार

या मुहर नहीं पाए, क्योंकि वे कभी भी दुबारा नहीं जन्में हैं| यह सिंहासन के शब्द हैं| डरपोक और अविश्वासी, घिनौने और हत्यारे, व्यभिचारी और जादूगरों, मूर्तिपूजकों और झूठों का भाग उस झील में होगा जो हमेशा जलती रहती है| यह प्रकाशितवाक्य २१:८ के अनुसार दूसरी मौत है|

वे जो व्यभिचार या कुमारीगमन या शराबीपन या झूठेपन या चोरी या ईर्ष्या में जीते हैं, वे परमेश्वर के राज्य के उत्तराधिकारी नहीं होंगे| यह सिंहासन के शब्द हैं| लूका २१:३४ में, आखरी दिनो का एक चिन्ह पेटूपन या लालच है| तुम्हे भोजनपान के बारे में अपनी सोच को रद्दोबदल करना होंगा, और यह तुम सिंहासन के शब्दों से कर सकते हो|

एक दुधारी तलवार

इस वक्त परमेश्वर का वचन तेज और शक्तिशाली और चोखा है, और कटावदार हैं - लेकिन सच है| प्राण को आत्मा से अलग किया जा रहा है; “गाँठ-गाँठ और गूदे” और वह सीधा तुम्हारी हड्डियों मे जा रहा है| हम आखरी दिनों मे जी रहे हैं और इन बातों का निपटारा प्रेम के साथ होना चाहिए| यह सिंहासन के शब्द हैं|

रसोई में बरतन धोना उतना ही जरूरी है जितना फिनलैंड मे सुसमाचार का प्रचार करना| यदि बरतन प्रेम की भावना में किए जा रहे हों, तो वह दास अनन्त मे उतना ही पुरस्कृत होगा जितना फ़्रांस या लन्दन में प्रचार करने वाला| "..यदि कोई मेरे नाम में ठंडे पानी का एक प्याला देगा वह काम याद

किया जाएगा”(मत्ती १०:४२)| वैसे ही, बरतन न धोना उतना ही बड़ा पाप है जितना दुनिया में कोई और| उससे क्रूस के द्वारा दिए गए उस अनुग्रह की अवहेलना होती है, जिससे हम चेले बनकर मसीह के साथ संगति अनुभव कर सके|

व्यक्तिगत पाप शिष्यता का बहुत व्यावहारिक परित्याग है; अतः यह नम्र होकर, आखिरी बनकर, भाइयों के लिये जीवन अर्पण करने के मौके को नष्ट करता है| यह दिखाता है कि दिल में वाकई क्या है: एक अनुशासनहीन आलसपन का मनोभाव जो वही चुनता है जो खुद करना चाहता हैं| ऐसे व्यवहार वाला व्यक्ति देह मे जीवन बिताता है - सिंहासन के खिलाफ - बजाय अपने पापी स्वभाव को क्रूसित होने देने के और सिंहासन के जीवन के साथ बिना शर्त के प्रेम में राज करने के|

उन्होंने कैसे उस पर विजय पाई? मेमने के लहू के द्वारा| कोई दोषारोपण नहीं| सिर्फ लहू को लगा लो| उन्होंने *वाकई* लगा लिया| तुम जिस भी हालात में हो, कैसे उससे बाहर निकल सकते हो? मेमने के लहू को लगा लो और विश्वास के द्वारा अनुग्रह से यीशु मसीह में अपनी विजय की साक्षी दो| तब क्या शैतान हम पर दोष लगा पाता है? नहीं; क्या वह हमें धोखा दे पाता है? नहीं; क्यों? शैतान धरती के सिर्फ उन्हीं निवासियों तक पहुँच सकता है जो नीचे से जीवन जी रहे हैं लेकिन वह उन्हें नहीं छू सकता जो ऊपर बैठे हुए हैं|

यदि एक चीज हो जो परमेश्वर के लोगों को करना सीख लेना चाहिए, तो वह है कि धरती पर हो रही चीजों की

प्रतिक्रिया में कुड़कुड़ाये बिना सिंहासन के शब्दो में विश्राम| धन्यवाद परमेश्वर कि जो कोई भी मुँह से प्रभु यीशु मसीह को अंगीकार करेगा और दिल मे विश्वास करेगा कि परमेश्वर ने यीशु को मरे हुओं में से जिलाया, उसका उद्धार होगा| परमेश्वर ने सिर्फ यीशु को मरों हुओं में से जीवित नहीं किया, बल्कि परमेश्वर ने हमें मरों हुओं में से जीवित किया (रोमियों ६:८-९)| उसने हमें यीशु में साथ में बैठाया (इफिसियों २:६), हम यीशु के साथ परमेश्वर में छिपे हुए हैं (कुलुस्सियों ३:३), और पवित्र आत्मा ने हमारे विवेक को साफ़ किया है (इब्रानियों ९:१४)| उतना ही नहीं, बल्कि यीशु मसीह कभी भी हमें ना छोड़ेगा और ना त्यागेगा| जब हम पाप करते हैं, तब हमें परमेश्वर के स्वभाव को कब्ज़ा करने देना चाहिए, और वह स्वभाव हमें सिंहासन के शब्दों से प्रेरित करता है - विश्वास, आशा, प्रेम, और यीशु मसीह मे शक्ति|

एक दूसरे को प्रेम करने में, तारीफ में, और सुसमाचार प्रचार में व्यस्त रहो| पाप, पुरानी आदतों, बुराई, आलस को छोड़ दो - यह सब चीजें अपंग, शक्तिहीन, घायल करती हैं और हमें अनुग्रह के राज्य में महान बनाने की बजाय छोटे संसार मे छोटा व्यक्ति बनाती हैं| यीशु मसीह चाहता है कि हम ऐसे लोग हों जो मुँह खोलें और वह उन्हें भर दे (भजन संहिता ८१:१०)| वह हमें बोलने को शब्द देता है (लूका १२:११)| उनका अंगीकार करो (रोमियों १०:९) और सिंहासन के शब्दों से शैतान पर विजय पाओ|

निष्कर्ष

भजन संहिता ३४:१ कहता है, “मैं हर समय परमेश्वर को धन्य कहूँगा|” दिलचस्प! *हर समय पर!* आप कहोगे, “मैं नहीं कर पाऊँगा|” वह इसलिये कि या तो तुम सिंहासन के शब्दों को अंगीकार करने या फिर उस वक्त विश्वास के अनुग्रह मे खड़े होने से इन्कार करते हो| सिंहासन के शब्द काम को पूरा करते हैं| भजन संहिता ६२:८ में हम पढ़ते हैं, “उस पर हर समय भरोसा रखो; ऐ लोगों, अपना दिल उसके सामने उड़ेल डालो: परमेश्वर हमारे लिये एक सुरक्षा है|” प्रभु क्या कह रहा है? “इसलिथे आओ, हम अनुग्रह के सिंहासन के निकट हियाव बान्धकर चलें, कि हम पर दया हो, और वह अनुग्रह पाएँ, जो आवश्यकता के समय हमारी सहायता करे” (इब्रानियों ४:१६), क्योंकि वह हर मौके पर प्रलोभित किया गया, जैसे हम किए जाते हैं|

इसके जैसा विस्तृत संदेश तुम्हें कहाँ पर छोडता है – आत्मावलोकन में या एक सिंहासन पर? विश्वास से चलता हुआ या नजर से चलता हुआ? क्या तुम परमेश्वर को धन्यवाद देते हुए, पीछे की बातें भूलकर, और सुने गए सत्य के लिये और और वास्तविकता में ग्रहण करने की वजह से परमेश्वर की

महिमा करते हुए आगे बढ़ रहे हो? या फिर तुम इस उम्मीद मे जी रहे हो कि जब तुम सिंहासन के शब्दों के द्वारा स्वर्ग से नहीं जीते हो, तब भी परमेश्वर पलक बन्द करके तुम्हें बगल से निकल जाने देगा?

आज परमेश्वर का धन्यवाद करो! सिंहासन के शब्द वह नहीं प्रयोग कर सकता, जो गड्ढे में से आया है| योहन्ना ३:२७ के अनुसार, हमारा जीवन ऊपर का है; यह एक तोहफा है| हमारी इच्छाएँ ऊपर की हैं, हमारा प्रेम ऊपर का हैं, अनुग्रह ऊपर का है| सामर्थ्य, क्षमा, लहू – यह सब स्वर्गीय हैं और अंदर रहते हैं| हम सिंहासन के शब्दों की पत्रियां हैं| आओ हम सिंहासन की सेवकाईयों से परमेश्वर की ग्रहणयोग्य सेवा करते हुए, एक दूसरे को बढ़ावा देते हुए और सिंहासन के शब्द बोलते हुए अनुग्रह के साथ आगे बढ़ें|

परमेश्वर सच में तुम्हारी परवाह करता है

यीशु तुमसे गहरा प्रेम करता हैं। बहरहाल, यह तथ्य की सभी ने पाप की या हैं, हमें परमेश्वर से अलग करता हैं (रोमियो ३:२३; ६:२३)। फिर भी, परमेश्वर तुम्हारी परवाह करता हैं और वह अपना प्रेम तुम्हारे साथ बाँटने के लिए एक तरीका प्रदान करता हैं।

इन्सान के लिए यीशु मसीह का प्रेम इतना महान था की वह आया और मानव जाति के सभी पापों के लिए क्रूस पर मरा। उसने तुम्हारे लिए अपना लहू बहाया जिससे तुम क्षमा पा सको और अनन्त जीवन पाओ।

इकलौती चीज जो वह तुमसे माँगता हैं की तुम साधारण विश्वास में अपनी ओर उसके चरित्र और प्रेम पर भरोसा करते हुए और उसे अपने उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार करते हुए, उसके पास आओ। “जो कोई भी प्रभु के नाम को पुकारेगा, वह बचाया जाएगा।” (प्रेरितों के काम २:२१)

बस प्रार्थना करें, *“प्रिय यीशु, मैं जानता हूँ की मैं एक पापी हूँ। मैं तुम्हें अपने व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार करता हूँ। मुझे इतना प्रेम करने के लिए धन्यवाद की तुमने मेरे लिए जान दी जिससे मैं तुम्हारे साथ अनन्त जीवन बिता सकता हूँ, आमीन।”*

वह वादा करता हैं की वह कभी तुम्हे प्रेम करना बंद नहीं करेगा और न ही वह कभी तुम्हें छोड़ेगा या त्यागेगा (इब्रानियों १३:५)। बाइबिल पढ़ने, प्रार्थना करने, और एक अच्छे बाइबल पर विश्वास करने वाले चर्च में भाग लेने के द्वारा उसके साथ अपने संबंध का विकास करें।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:

ग्रेटर ग्रेस नवी मुम्बई चर्च

वेबसाइट: www.vashichurch.com

हिन्दी अनुवादित संस्करण के विषय में

इस पुस्तिका की आत्मिक जीवन में कीमत को ध्यान में रखते हुए ग्रेटर ग्रेस नवी मुम्बई चर्च की टीम के सदस्यों के योगदान से इसका अनुवाद और प्रकाशन की या गया हैं। स्थानीय तौर पर अधिक जानकारी के लिए आप हमें संपर्क कर सकते हैं:

ग्रेटर ग्रेस नवी मुम्बई चर्च (GGNMC)
वाशी, नवी मुंबई, भारत
+ (91) 97020 81387
ई-मेल: mail@vashichurch.com
वेबसाइट: www.vashichurch.com

आत्मिक परामर्श के विषय में : www.vashichurch.com

ग्रेटर ग्रेस कलीसिया के विभिन्न स्थानों पर चर्च, प्रार्थना सभाएं, बाइबल स्कूल, यूथ सेवकाई, काउन्सेलिंग सेवकाइयां हैं कृपया जानकारी के लिए संपर्क करें :

मुंबई एवं उत्तर भारत : www.ggfmumbai.org
बेंगलुरु एवं दक्षिण भारत : www.ggfblr.org

पास्टर कार्ल एच स्टीवेंस की हिन्दी पुस्तिकाओं की सूची :

बस परमेश्वर को स्वयं से प्रेम करने दो

प्रतिदिन भोर में परमेश्वर से मुलाक़ात

परमेश्वर से खुलकर ग्रहण करो

पवित्र आत्मा से तुम्हारा सम्बन्ध कैसा हैं

बीमा न्याय आसनः दुःख या आनन्द में प्रस्तुति

सिंहासन के शब्द

साजिश का उत्थान

छल के विषय में उपदेश